TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 215
दि. 06.12.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

यूपी में अब टैलेंट हर गांव से निकलेगा! 75 जिलों में एक साथ होगा ये बड़ा काम! सीएम योगी ने दिया खास आदेश

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में खेलों के विकास को लेकर अब तक जो नीतियां केवल कागजों पर थीं, उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जमीनी हकीकत में बदलना शुरू कर दिया है। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि खेलों को लेकर किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा 69वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए की। अब राज्य का लक्ष्य खेलों को सिर्फ. शहरों तक नहीं, बल्कि गांव-गांव तक पहुँचाना है।

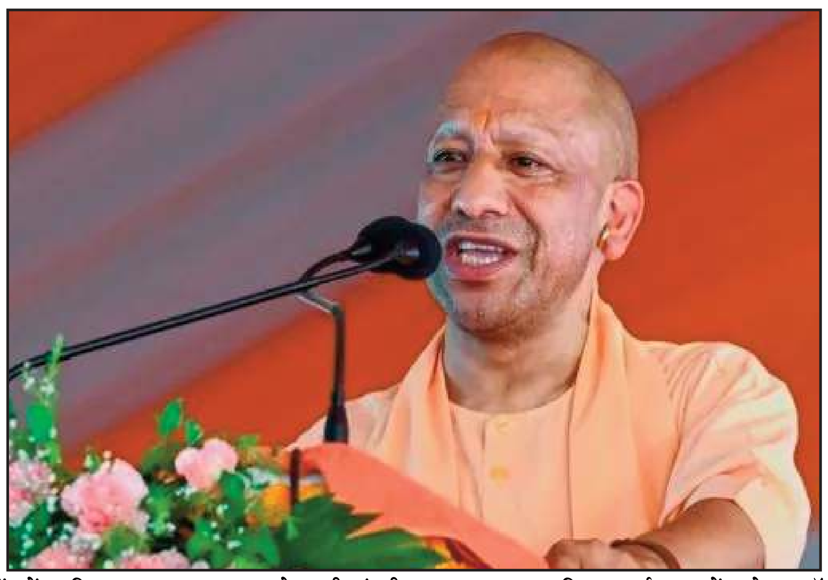

हर ब्लॉक तक बनेगा खेल का मजबूत ढांचा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर, सरकार ने एक साथ प्रदेश के सभी 75 जिलों में स्टेडियम और हर ब्लॉक में मिनी स्टेडियम बनाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है। 18 जिलों के सरकारी कॉलेजों में मिनी स्टेडियम के लिए लगभग ₹5-5 करोड़ की मंजूरी दी जा चुकी है।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं, बल्कि वित्तीय सहायता भी पहली बार व्यापक स्तर पर दी जा रही है: कॉलेजों को ₹25,000, जूनियर हाई स्कूलों को ₹10,000, और बेसिक स्कूलों को ₹5,000 की विशेष राशि खेल सामग्री के लिए दी जा रही है। इसके साथ ही, मेरठ में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी तेजी से चल रहा है, जो उत्तर भारत में खेल विज्ञान और प्रशिक्षण का केंद्र बनेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वस्थ युवा ही सशक्त भारत की नींव बनेंगे, और इसकी शुरूआत खेलों से होती है। इसी सोच के साथ उन्होंने युवा खिलाड़ियों को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन का लक्ष्य रखने को प्रेरित किया। उनका कहना था कि अंडर-17 और अंडर-19 के यह युवा खिलाड़ी ही 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की रीढ़ बनेंगे। अधिकारियों का मानना है कि जिस फोकस के साथ यूपी में खेलों का ढांचा तैयार हो रहा है, राज्य जल्द ही खेलों के क्षेत्र में हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे पारंपरिक मजबूत राज्यों को कड़ी टक्कर देकर टॉप 3 राज्यों में अपनी पहचान बनाएगा, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' का विजन साकार होगा।

पुतिन ने कहा- कई क्षेत्रों में साथ आगे बढ़ने की योजना, पीएम मोदी बोले- आपकी यात्रा ऐतिहासिक

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं, लेकिन मायने शब्दों के नहीं, बल्कि उस सार के हैं, जो वास्तव में बेहद मजबूत और गहरा है.

(जीएनएस)।

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई मुलाकात ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई मजबूती और गति प्रदान की है. 7-लोक कल्याण मार्ग में लगभग तीन घंटे तक चली यह वार्ता न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, बल्कि भविष्य की साझेदारी के लिए कई नए रास्तों को भी खोलती दिखाई दी.

हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं- पुतिन

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, हमारे संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं, लेकिन मायने शब्दों के नहीं, बल्कि उस सार के हैं, जो वास्तव में बेहद मजबूत और गहरा है. उन्होंने मुलाकात को 'दोस्ताना और सार्थक बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया.

भविष्य की दिशाः एआई से लेकर अंतरिक्ष तक

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने बातचीत के दौरान कई क्षेत्रों में बड़े विस्तार की योजनाओं का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि रूस और भारत जिन क्षेत्रों में आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं, वे दोनों देशों के बीच उच्च विश्वास स्तर को दर्शाते हैं. उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विमानन, हाई-टेक सेक्टर, सैन्य-तकनीकी सहयोग, अंतरिक्ष जैसी चीजों का जिक्र किया.

वैश्विक मुद्दों पर खुली और सीधी बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और रूस वैश्विक मुद्दों पर, विशेषकर यूक्रेन पर, लगातार संवाद में हैं. पीएम मोदी ने कहा कि आप (व्लादिमीर पुतिन) मुझे ठीक-ठीक स्थिति बताते हैं.

यह हमारे देशों के बीच मजबूत साझेदारी का प्रमाण है.

आर्थिक साझेदारी को नई ऊर्जा

मोदी ने उम्मीद जताई कि यह बैठक दोनों देशों की आर्थिक प्रगति में नई ऊर्जा डालेगी. मुझे विश्वास है कि यह बैठक नई उम्मीद जगाएगी और हमारी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करेगी. हमें बड़े परिणामों की उम्मीद है. प्रधानमंत्री मोदी ने निजी संबंधों की गर्माहट का उल्लेख करते हुए कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी है कि हमारा परिचय 25 वर्ष से भी पुराना है.

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात में अर्थ समिट 2025 का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में एअफ्ळ्ळ समिट 2025 का उद्घाटन किया। श्री अमित शाह ने 'सहकार सारथी' की 13 से अधिक नई सेवाएँ और प्रोडक्ट लॉन्च किए। इनमें Digi KCC, Campaign Sarathi, Website Sarathi, Cooperative Governance Index, ePACS, World's Largest Grain Storage Application, Shiksha Sarathi, Sarathi Technology Forum आदि शामिल हैं। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर भाई चौधरी, गुजरात के कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री जीतू भाई वाघाणी, गुजरात विधानसभा के उपाध्यक्ष और नाफेड के चेयरमैन मंत्री श्री जेठा भाई आहीर, सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी,

गुजरात स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन श्री अजय भाई पटेल और नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के वी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि यह दूसरी शिखर-वार्ता, देशभर में आयोजित की जा रही तीन अर्थ-सम्मिटों की श्रेणी में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इन शिखर-वाताओं का उद्देश्य केवल देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं पर नए सिरे से विचार कर परिणाम-उन्मुख समाधान निकालना भी है। उन्होंने कहा कि तीनों सम्मिटों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े चार मंत्रालयों के बड़े मुद्दों के समाधान तैयार किए जाएंगे, और अगले वर्ष दिल्ली में होने वाली तीसरी समिट में सभी विमर्शों का एक सुसंगत नीति-स्वरूप प्रस्तुत किया जाएगा।

बेंगलुरू में गिरा तापमान, बादल और कोहरे के बाद क्या और बढ़ेगी ठंड? आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

बेंगलुरू में बीते एक सप्ताह से ठंड बढ़ गई है। गुलाबी ठंड के लिए मशहूर बेंगलुरू में हाल ही में आए चक्रवात के कारण अचानक तापमान में भारी गिरावट आई जिसकी वजह से अचानक

ठिठुरन बढ़ गई और लोगों को घरों तक में स्वेटर पहनने पड़े। हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अभी फिलहाल बेंगलुरू के लोगों को ठंड से छुटकारा नहीं मिलने वाला है। पूवार्नुमान के अनुसार, बेंगलुरु में 6 दिसंबर, 2025,शनिवार को सर्द मौसम रहेगा।

गुजरात के जामनगर में गोपाल इटालिया पर जूता फेंका, आप ने कहा - 'भाजपा-कांग्रेस दोनों घबराए हुए हैं'

(जीएनएस)।

जामनगर की एक मीटिंग में जो घटना हुई, उसने गुजरात की राजनीति की दिशा बदल दी। अअढ विधायक गोपाल इटालिया पर जूता फेंकने की शर्मनाक घटना ने साफ दिखा दिया कि गुजरात में BJP और कांग्रेस की एकता किसके खिलाफ है, आम आदमी पार्टी के खिलाफ। इस छोटे-से पल ने एक बड़ी सच्चाई पूरे गुजरात और पूरे देश को दिखा दी। यह हमला सिर्फ एक व्यक्ति पर नहीं था, यह हमला उस आवाज पर था जो गुजरात में बीजेपी की गलतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।

गोपाल इटालिया बीजेपी की नीतियों पर सीधा सवाल उठाते हैं, लेकिन दर्द कांग्रेस को होता है। यही बताता है कि गुजरात में राजनीति किस मोड़ पर पहुंच चुकी है। अअढ के बढ़ते जनसमर्थन ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को बेचैन कर दिया है। सवाल बीजेपी से पूछो, प्रतिक्रिया कांग्रेस देती है; अअढ की लोकप्रियता बढ़े, तो दोनों पार्टियां एक-दूसरे की दुश्मन नहीं, बल्कि साझेदार की तरह मैदान में उतर आती हैं। यह वही पुरानी राजनीति है जिसने गुजरात की जनता को सालों तक सिर्फ. वादे दिए और मलाई खुद खाई।

लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। गुजरात की हवा बदल रही है।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड, कई राज्यों में बारिश के अलर्ट

उत्तर भारत में सर्दी अब पूरे तेवर में आ चुकी है। दिसंबर की शुरूआत के साथ ही मौसम ने अचानक करवट ली है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक ठंड तेज हो गई है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती सिस्टम के चलते न सिर्फ तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, बल्कि कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी के भी आसार बन गए हैं।

दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में शीतलहर का असर साफ दिख रहा है, वहीं कश्मीर से लद्दाख तक बर्फीली रातें लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं।

नागालैंड में 'एक्ट ईस्ट' का बड़ा धमाका, ज्योतिरादित्या सिंधिया ने ट्रेडिशनल स्टोन-पुलिंग में हिस्सा लिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्या एम. सिंधिया ने नागालैंड को विकास का एक और बड़ा तोहफा दिया। हॉर्नबिल फेस्टिवल के दौरान तुओफेमा गांव में उन्होंने अंगामी परंपरा के अनुसार विशाल पत्थर खींचने (स्टोन-पुलिंग) में हिस्सा लिया और उसके बाद राज्य के लिए ₹645 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें ₹202 करोड़ के पूरे हो चुके प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और ₹443 करोड़ के नए प्रोजेक्ट्स की आधारशिला शामिल है।

सिंधिया ने कहा, "यह परंपरा केवल शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और विरासत को सहेजने का जीवंत प्रमाण है। तुओफेमा में खड़े होकर मुझे लगा कि यह समाज अपनी जड़ों को मजबूती से पकड़े हुए भी प्रगति की ओर तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जी की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' ने पूर्वोत्तर को नई गति दी है और नागालैंड की युवा आबादी देश के विकास में बड़ा योगदान दे सकती है।"

हॉर्नबिल फेस्टिवल के दौरान तुओफेमा गांव में आयोजित स्टोन-पुलिंग समारोह में सिंधिया ने पारंपरिक अंगामी पोशाक पहनी और सैकड़ों ग्रामीणों के साथ रस्सी खींचकर विशाल पत्थर को खींचा। यह अंगामी समुदाय की सदियों पुरानी परंपरा है, जिसमें सामूहिक शक्ति और एकता का प्रदर्शन होता है। सिंधिया ने इसे "भारत की विविधता में एकता का प्रतीक" बताया।

₹645 करोड़ का मेगा डेवलपमेंट पैकेजः स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, शिक्षा और इनोवेशन पर जोर

सिंधिया ने दो चरणों में प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण किया:

उद्घाटन (पूर्ण हो चुके प्रोजेक्ट्स - ₹202 करोड़):

132 केवी सब-स्टेशन अपग्रेड, नागरजान, दीमापुर - ₹24.46 करोड़

शिक्षक प्रशिक्षण एवं परीक्षा केंद्र (रिहायशी सुविधा सहित) - ₹20 करोड़

190 स्कूलों में ICT इंफ्रास्ट्रक्चर - ₹18.95 करोड़

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने व किसानों को उचित दाम देने का काम हुआ है- श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य सभा में प्रश्न काल के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में उत्पादन बढ़ाने, लागत घटाने और उत्पादन के ठीक दाम देने के तीन महत्वपूर्ण काम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का एक ही ध्येय और फॉर्मूला है और वह है किसानों का कल्याण करना। श्री चौहान ने कहा कि यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने वर्ष 2019 में तय किया कि लागत पर 50% मुनाफा देकर टरढ तय की जाएगी, वहीं अब किसानों से तुअर, मसूर व उड़द 100% खरीदी जाएगी, जबकि पिछली सरकार ने कह दिया था कि लागत पर सीधे 50% बढ़ोतरी निर्धारित करने से मंडी में विकृति आ सकती है।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने संसद में सवालों के जवाब में कहा कि हम स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को पूरी तरह मानते हुए कुल लागत पर 50% मुनाफा देकर एमएसपी पर फसल खरीदी कर रहे हैं और कई फसलों पर तो 50% से ज्यादा दाम भी देने का काम कर रहे हैं। 2014 के पहले इतनी खरीद नहीं होती थी और दलहन-तिलहन की फसल के लिए तो 2014 के पहले नाममात्र की खरीदी होती थी। हमने पीएम आशा योजना भी बनाई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि कई राज्य सरकार खरीदी में ढिलाई करती है, पूरा नहीं खरीदती है, जिससे किसानों को दिक्कत होती है, वहीं हमने तय किया है कि तुअर, मसूर, उड़द राज्य सरकार अगर कम खरीदेगी या नहीं खरीदेगी तो नैफेड जैसी एजेंसी के माध्यम से सीधे भी हम खरीदने का काम करेंगे, ताकि किसानों को ठीक दाम मिल सके।

श्री शिवराज सिंह ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच सभी खरीफ की जो एमएसपी फसलें थी, वो केवल 46 करोड़ 89 लाख मीट्रिक टन खरीदी गई थी, जबकि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 81 करोड़ 86 लाख मीट्रिक टन खरीदी की हैं।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती-दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद-दिल्ली कॉरिडोर पर हाल ही में इंडिगो एयरलाइंस की अनेक उड़ानें रद्द होने से हवाई यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन साधन की आवश्यकता महसूस हुई है। यात्रियों की इसी बढ़ी हुई मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद के साबरमती स्टेशन और दिल्ली जंक्शन के बीच विशेष किराये पर ऑन डिमांड (ळडळ) स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

इस स्पेशल ट्रेन का उद्देश्य यात्रियों को विश्वसनीय, सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा सुविधा प्रदान करना है, ताकि फ्लाइट रद्द होने की स्थिति में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ट्रेन का संचालन यात्रियों की वास्तविक मांग को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा, जिससे अहमदाबाद-दिल्ली मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा प्राप्त होगी।

पश्चिम रेलवे की यह पहल त्योहारी एवं अवकाश अवधि के दौरान यात्रा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। स्पेशल ट्रेन के परिचालन से यात्रियों को किफायती दरों पर सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा, साथ ही अहमदाबाद और दिल्ली के बीच निरंतरता एवं सुगमता से आवागमन सुनिश्चित होगा।

इस स्पेशल ट्रेन के समय, आरक्षण विवरण तथा अन्य संचालन संबंधी जानकारी पश्चिम रेलवे द्वारा शीघ्र ही जारी की जाएगी।

पश्चिम रेलवे चलाएगी चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा एवं वलसाड - बिलासपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल (द्विसाप्ताहिक) [14 फेरे]

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (32 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल मंगलवार एवं शुक्रवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। यह ट्रेन 08 दिसम्बर से 29 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल बुधवार एवं शनिवार को छोड़कर सभी दिनों में 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुर्गापुरा सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुर्गापुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुर्गापुरा - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुर्गापुरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवंनी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर और बनस्थली निवाई स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 08244/08243 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 08244 वलसाड - बिलासपुर स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को 16.50 बजे वलसाड से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 दिसम्बर 2025 से 09 जनवरी 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 08243 बिलासपुर - वलसाड स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 16.00 बजे बिलासपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.50 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 18 दिसम्बर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर एवं भाटापारा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09003 एवं 09730 की बुकिंग 06.12.2025 से, ट्रेन संख्या 09001 की बुकिंग 07.12.2025 से तथा ट्रेन संख्या 08244 की बुकिंग 08.12.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू

जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए विभिन्न विभाग के अधिकारियों से मिले व्यापारी नेता

मथुरा (जीएनएस)। नगर और हाईवे पर विकराल रूप ले चुकी जाम की समस्या का समाधान कराने के लिए एसएसपी के बाद अब व्यापारी नेता दूर संचार, विद्युत और वन विभाग के अधिकारियों से मिले। बता दें कि नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की पहल पर जाम की समस्या के निस्तारण के लिए एसएसपी को साथ ले जाकर स्थलीय निरीक्षण किया था। इसके बाद विभिन्न विभागों के सकारात्मक सहयोग की संभावना से जाम की समस्या को हल कराने की दिशा में शुक्रवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दूर संचार विभाग, विद्युत विभाग और वन विभाग के अधिकारियों से मिलकर जाम की समस्या के समाधान में सहयोग करने की मांग की। मुलाकात करके समस्या के बारे में बताने पर बीएसएनएल, विद्युत और वन विभाग के अधिकारियों ने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया है। बताते चलें कि विगत दिनों जाम की विकराल समस्या से परेशान होकर व्यापारी नेता लामबंद होकर एसएसपी श्लोक कुमार के पास पहुंचे थे और उनसे आग्रह करके अपने साथ लेकर गोवर्धन चौराहे से मंडी

चौराहे तक का पैदल भ्रमण कराके जाम की समस्या का निस्तारण कराने का प्रयास किया था। इसीक्रम में डीएम द्वारा सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक करके सामंजस्य से इस समस्या के समाधान के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद शुक्रवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारी लामबंद होकर उप महाप्रबंधक भारतीय दूरसंचार निगम, मुख्य अभियंता दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम और उ.प्र. प्रभागीय वनाधिकारी से मिलकर जाम की समस्या का निस्तारण कराने में सहयोग की मांग की। व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में सबसे पहले व्यापारी नेता उप महाप्रबंधक दूर संचार डीके शर्मा से मिले और उन्हें बताया कि लैंडलाइन फोन न होने के बावजूद आज भी संपूर्ण नगर में जगह-जगह विभाग के खंबे और पैनल लगे हुए हैं, जिससे जाम के हालात पैदा होते हैं तथा इनका कोई उपयोग भी नहीं है। इस पर संज्ञान लेते हुए उप महाप्रबंधक ने अपने अधीनस्थों को आदेश देते हुए तुरंत सर्वे कराके ऐसे सभी टेलीफोन खंबे और पैनलों को हटाने के लिए कह दिया। इसके बाद व्यापारी नेता विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता राजीव गर्ग से मिले और मुख्य मार्ग में यातायात को बाधित कर रहे ट्रांसफार्मर तथा विद्युत खंभों के कारण हो रहे जाम के बारे में बताते हुए कहा कि मुख्य मार्गों पर रखे विद्युत ट्रांसफार्मर और विद्युत खंबे जाम का प्रमुख कारण है। व्यापारी नेताओं की बात को गंभीरता से समझते हुए मुख्य अभियंता ने अभियंता नगरीय क्षेत्र को निर्देश दिए कि वह व्यापार मंडल की क्षेत्रीय इकाइयों के सहयोग से ऐसे अतिक्रमण की लिस्ट बनाकर विभागीय कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इसके बाद प्रभागीय वनाधिकारी की गैर मौजूदगी में व्यापारी नेताओं ने उप प्रभागीय वनाधिकारी एसके सिंह से मिले और नगर में जगह-जगह मार्गों को अवरुद्ध कर रहे पेड़ों तथा कृष्णानगर पुलिस चौकी में स्थित विशालकाय पेड़ के विषय में बताते हुए, उसे स्थानांतरित करने की मांग की। इसपर उप प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा बताया गया कि टीटीजेड में आने के कारण न्यायालय की बिना अनुमति के मथुरा में कोई भी पेड़ हटाया नहीं जा सकता।

परचून व्यापारी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या के बाद कुएं में फेंका शव : हत्यारों की तलाश में सुराग तलाश रहीं पुलिस टीमें

मथुरा (जीएनएस)। थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गांव ढहरौली के पास बदमाशों ने एक युवक की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मृत युवक परचून व्यापारी था। पुलिस ने परचून व्यापारी के रक्तरंजित शव को शव कुएं से बरामद किया है। वहीं पास में खड़ा मृत व्यापारी युवक को खींचने और बाइक के निशान मिले हैं। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिए हैं। घटना की जानकारी उस समय हुई जब देर रात्रि तक परचून व्यापारी घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू तो गांव से कुछ ही दूर पर खेतों के बीच खून फैलने की लाइन दिखाई दी। इसके बाद परिजन उस खून की पड़ी हुई लाइन के सहारे एक पुराने कुएं तक पहुंचे और टॉर्च की रोशनी करते हुए कुआं में देखा तो वहां युवक का शव पड़ा देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। युवक का रक्तरंजित शव देखते ही सर्द रात के सन्नाटे को चीख-पुकार की आवाजों ने तोड़ दिया। युवक की हत्या की खबर से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। परचून व्यापारी युवक का रक्तरंजित शव मिलने की सूचना पर पुलिस के उच्चाधिकारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार थाना बरसाना क्षेत्र स्थित गांव ढहरौली निवासी 37 वर्षीय महादेव पुत्र खच्चर सिंह हर रोज की तरह गुरुवार रात करीब 9 बजे बरसाना-गोवर्धन रोड स्थित अपनी परचून की दुकान बंद करके बाइक द्वारा घर के लिए निकला था। इसके बाद देर रात्रि तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंता करने लगे और परिवार के लोग उसकी तलाश करने लगे। उसी बीच गांव के रास्ते में खेतों के पास महादेव की बाइक पड़ी मिली। बाइक से कुछ दूरी पर जमीन पर फैले खून के ताजे धब्बे देखकर परिजनों के चेहरे पर खौफ पसर गया। वहीं पास में खून के निशान खेतों के अंदर बने कुएं की ओर जा रहे थे। इसके बाद परिजन जब कुएं के पास पहुंचे और टॉर्च की रोशनी नीचे कुएं में डाली तो परचून व्यापारी महादेव का शव पानी में उतराता हुआ दिखाई दिया। युवक का शव देखते ही परिजनों की चीख निकल गईं। रात में रोते-बिलखते परिजनों की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर वहां पहुंच गए। घटना की सूचना मिलते ही बरसाना पुलिस मौके पहुंच गई और ग्रामीणों के सहयोग से मृतक के शव को कुएं से बाहर निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया है। युवक की हत्या के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं पुलिस के अनुसार परचून व्यापारी महादेव के सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार करके हत्या की गई है। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद हत्यारे शव को कुएं में फेंककर फरार हो गए। युवक की हत्या के बाद प्रथम दृष्टया किसी रंजिश में हत्या करना प्रतीत हो रहा है। एसएसपी श्लोक कुमार ने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पुलिस की चार टीमों को लगाया गया है।

राया पुलिस ने दबोचा एक मादक पदार्थ तस्कर

मथुरा (जीएनएस)। थाना राया क्षेत्र स्थित गांव तम्बका के पास से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सादाबाद रोड़ स्थित गांव तम्बका के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक कुशलपाल सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा तस्कर भागने लगा। पुलिस ने भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर पप्पू पुत्र किशन सिंह निवासी सूरज ढकू थाना राया को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 8 सौ 50 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल न्यायालय भेज दिया है।

अमित कुमार शर्मा बने 'पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति के सदस्य

अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा बने "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति के सदस्य

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने संगठन की ओर से दी बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें

देहरादून। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा को "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति का सदस्य बनाया गया है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस समिति में अ.भा.स.प.ए. के नामित प्रतिनिधि के अलावा ४ अन्य गैर सरकारी सदस्य भी शामिल किये गये हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने श्री शर्मा को शुभ कामनायें देते हुए कहा है कि "पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के संचालन हेतु निर्धारित इस शासकीय समिति में उनके सदस्य बनाये जाने से उत्तराखण्ड राज्य में संगठन के प्रतिनिधित्व को अत्यधिक संबल व शक्ति प्राप्त हुई है। इससे समाचार पत्रों के हित संवर्धन व एतदर्थ लम्बित प्रकरणों को बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रखे जा सकेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष व नामित सदस्य श्री अमित कुमार शर्मा ने इस मनोनयन के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अत्यन्त महत्वपूर्ण समिति में एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व हमारे लिए प्रसन्नता व गर्व का विषय है। समाचार पत्रों व पत्रकारों के हितों के लिए महानिदेशक द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। विनिर्दिष्ट समिति के गठित होने से निश्चित तौर पर सभी प्रभावित पत्रकारों को लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन बारहवें, चौदहवें और पन्द्रहवें त्रिवर्षीय सत्र में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा विधिवत अधिसूचित राष्ट्रीय संगठन है जो देश स्तर पर सम्पादकों/पत्रकारों के हित संरक्षण एवं खुशहाली के लिए पूरे मनोयोग से विगत तीस वर्षों से कार्यरत है।

इस उपलब्धि पर संगठन की ओर से सर्वश्री पवन सहयोगी, दीनदयाल मित्तल, आशीष शर्मा, अनीता मिश्रा, रमेश चन्द्र जैन, महेश कुमार शर्मा, आरिफ जमाल,संजय कुमार चतुर्वेदी, संजय कुमार मिश्र, विनोद बाजपेयी, रामशरण दीक्षित, अरविन्द शर्मा, दिनेश शक्ति त्रिखा, वीरेन्द्र दत्त शर्मा, देवेन्द्र त्रिपाठी, कुंज कुमार ने विभिन्न माध्यमों से बधाई एवं शुभकामनायें दीं।

छोटे इमामबाड़ा लखनऊ में मजलिस ए अजा का इन्ऐकाद मौलाना हसनैन बाकरी का खिताब

लखनऊ अल-वसी फाउंडेशन लखनऊ की ओर से एक मजलिस-ए-अजा बड़े अदब और एहतिराम के साथ आयोजित की गई। यह मजलिस शबे शहादत मादरे अलमदार-ए-कर्बला हजरत अबुल फजलिल अब्बास अलैहिस्सलाम जनाबे उम्मुल बनिन सलामुल्लाह अलैहा की याद में आयोजित हुई। मजलिस का आगाज तिलावत कुरान से कारी रियाज ने किया मजलिस का इंतजाम छोटा इमामबाड़ा, हुसैनाबाद में किया गया, जहाँ बड़ी तादाद में मोमिनीन और मोमिनात मौजूद रहे।

मजलिस को मौलाना सैयद मोहम्मद हसनैन बाकरी ने खिताब किया। उन्होंने जनाबे उम्मुल बनीन सलामुल्लाह अलैहा की खिदमत-ए-अहल-ए-बैत, उनकी बे-मिसाल वफादारी और हजरत अब्बास अलैहिस्सलाम की शुजाअत पर विस्तार से रोशनी डाली। साथ ही उन्होंने कर्बला के सन्दर्भ में सब्र, इसार और विलायत की अहमियत पर भी दलीली बातचीत की।

कार्यक्रम में मशहूर सोजख्वान नूरऐन रिजवी ने पुरसोज कलाम पेश किया, जिससे माहौल और भी गमगीन और रूहानी हो गया।

मजलिस के बाद जनाब शुजा. अब्बास जैदी, दस्त-ए-खतीब-ए-ईमान ने नौहा-ख्वानी की।

अखिर में जनाबे उम्मुल बनीन सलामुल्लाह अलैहा की बारगाह में नजर-ए-अक'दत पेश की गई और मुल्क-ओ-मिल्लत की सलामती के लिए खास दुआ की गई।

इंतजामी हुक्काम ने मोमिनीन की भारी तादाद में शिरकत पर शुक्रिया अदा किया

एएनटीएफ और कमला नगर पुलिस ने दबोचे दो अन्तर्राज्यीय तस्कर : 25 लाख का चरस और कार बरामद

आगरा। (मुकेश कुशवाह) थाना कमला नगर क्षेत्र स्थित वाटर वर्क्स के पास से एएनटीएफ यूनिट आगरा और कमला नगर पुलिस ने दो अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थों की तस्करों को दबोच लिया। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से 25 लाख कीमत का चरस बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार एएनटीएफ आगरा यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा, एएनटीएफ टीम के साथ मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में अभियान चलाए हुए हैं। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि दो अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर भारी मात्रा में चरस की खेप लेकर अर्टिगा कार से वाटर वर्क्स के पास से जाने वाले हैं। एएनटीएफ यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा ने थाना प्रभारी कमला नगर योगेश नागर को भी सूचना देकर बुला लिया। इसके बाद एएनटीएफ यूनिट के निरीक्षक हरवेन्द्र मिश्रा टीम में मुख्य आरक्षी सुधीर कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान पुलिस टीमों ने घेराबंदी करके

कुमार, आशीष शुक्ला, लखन लाल, वसीम अकरम, मुकेश कुमार और प्रेमनारायन तथा थाना प्रभारी कमला नगर योगेश नागर पुलिस टीम में एसआई सुमित कुमार और प्रशांत अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर बलवीर सिंह पुत्र स्व. मंगतराम निवासी लांगराइन थाना अमरगढ़ मलेर कोटला जिला संगरूर (पंजाब) और धर्मवीर राणा पुत्र स्व. कश्मीरी लाल निवासी गांव साराबाई थाना भुंतर जिला कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) को दबोच लिया। पुलिस टीम ने पकड़े गए तस्करों के कब्जे से 25 लाख कीमत का 9 किलो 980 ग्राम चरस, 2 मोबाइल, तस्करी में प्रयुक्त अर्टिगा कार और 8 हजार 40 रूपए बरामद किए हैं। पुलिस ने पकड़े गए तस्करों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि उनके ऊपर काफी कर्जा हो गया था। जिसके कारण पकड़े गए तस्कर चरस की तस्करी कर रहे थे। बताया कि बरामद चरस को कुल्लू के पहाड़ों पर रहने वाले एक व्यक्ति से खरीदा था, जिसे एक दूसरे व्यक्ति के कहने पर कोटला पुल हाइवे फिरोजाबाद में देने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान पुलिस ने तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

पूर्णिमा पर गोवर्धन में उमड़े श्रद्धालु : पुलिस ने बैरियर लगाकर रोके वाहन

मथुरा (जीएनएस)। मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अवसर पर गोवर्धन स्थित गिरिराज तलहटी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दानघाटी मंदिर क्षेत्र और परिक्रमा मार्ग में भक्तों के आने से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस बीच श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए गोवर्धन पुलिस ने सड़क पर निकलकर व्यवस्था संभाली। पुलिस ने डीग अड्डा और सौंख अड्डे पर बैरियर लगाकर सभी वाहनों और ई-रिक्शों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। इसके बाद केवल पैदल श्रद्धालुओं को ही परिक्रमा मार्ग और दानघाटी मंदिर

सौंख अड्डा बैरियर पर वाहनों को रोकते थाना प्रभारी रवि त्यागी।

की ओर जाने दिया। इस बीच थाना प्रभारी गोवर्धन रवि त्यागी खुद मौके पर डटे रहे और बैरियर पर खड़े होकर वाहनों को रोकते हुए दिखे। उन्होंने किसी भी वाहन को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया, जिससे कि भक्तों की परिक्रमा और दर्शन सुगमता से हो सके। पुलिस की इस मुस्तैदी से जहां श्रद्धालुओं को जाम से राहत मिली, वहीं परिक्रमा मार्ग पर पैदल चलने वाले भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने गिरिराज जी प्रभु के दर्शन करके दूध चढ़ाया और परिक्रमा की लगाई। इससे पूर्व पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि वह अपने वाहन बाहर ही खड़े करें, जिससे कि किसी को परेशानी न हो सके।

पीएम मोदी जादूगर हैं', पुतिन ने बिजनेस फोरम में की भारत की जमकर तारीफ

(जीएनएस)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में आयोजित भारत-रूस बिजनेस फोरम में भाग लिया, जहाँ दोनों नेताओं ने पारंपरिक ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों से आगे बढ़कर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस प्रतिनिधिमंडल केवल तेल और गैस अनुबंधों के लिए नहीं आया, बल्कि वे विविध क्षेत्रों में संबंध बनाना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जवाब में कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी की नींव आपसी विश्वास है। इस फोरम में व्यापार शुरू करने और भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए रूस की प्रशंसा प्रमुख बिंदु रहे।

पुतिन ने भारत की अर्थव्यवस्था की सराहना की

राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की जमकर प्रशंसा की और कहा कि भारत स्वतंत्र और संप्रभु नीति पर चलते हुए शानदार परिणाम प्राप्त कर रहा है। इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, 'मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि ढट मोदी के नेतृत्व में भारत एक स्वतंत्र और संप्रभु नीति पर चल रहा है और साथ ही बहुत अच्छे रिजल्ट भी पा रहा है। आज, भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। ढट मोदी की अच्छी आर्थिक नीति और मेक इन इंडिया प्रोग्राम जैसे बड़े ऐतिहासिक पहल की वजह से, इंडिया टेक्नोलॉजी के मामले में संप्रभु बन रहा है। भारत के IT और फार्मा सेक्टर दुनिया में प्रमुख स्थान पर हैं।'

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'रूसी प्रतिनिधि मंडल सिर्फ.एनर्जी के मामलों पर बात करने और तेल और गैस की सप्लाई के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करने नहीं आया था। हम चाहते हैं कि भारत के साथ अलग-अलग क्षेत्र में हमारे कई तरह के रिश्ते बनें। प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी प्राइवेट बातचीत में कई मौकों पर इस बात पर जोर दिया कि भारत के पास कई चीजें और बढ़ते हुए मौके हैं, लेकिन अब तक उनका उतना इस्तेमाल नहीं हुआ है जितना दोनों देश चाहते हैं। यही वजह है कि हमने यह फोरम बुलाया।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिजनेस फोरम में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि भारत और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (EAEU) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (FTA) पर बातचीत शुरू हो गई है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भारत देता है आज सभी गुटों से संबंधों को महत्व

रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का दिल्ली पहुंचना और उनकी अगवानी में सारे प्रोटोकाल को किनारे करते हुए प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करना इस बात का परिचायक है कि भारत ने बहुध्रुवीय विदेश नीति को मजबूती एवं सार्थकता पूर्वक अपना लिया है।

भारत के प्राधानमंत्री मोदी यदि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिग को झूला झुला सकते हैं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक कार्यक्रम में अब की बार ट्रंप सरकार का नारा लगा सकते हैं तो वह अपने सदाबहार मित्र राष्ट्र के प्रामुख पुतिन की अगवानी हेतु पालम एयरपोर्ट भी जा सकते हैं। आज भारत ने जो विदेश नीति अपनाई है, उसके लिए मुंह में दांत और पेट में आंत होने की जरूरत है। भारत में मौजूदा नेतृत्व ने साबित कर दिया है कि वह किसी एक देश के साथ वूटनीतिक खूंटे में बंधकर रह ही नहीं सकता।

भारत ने अब उस विदेश नीति का श्राद्ध कर दिया है जिसके तहत नई दिल्ली को सभी गुटों से दूरी बनाने पर जोर देता था। भारत आज सभी गुटों से संबंधों को महत्व देता है। अमेरिका ने 1990 के दशक में खुद भारत से संबंध सुधारने के लिए पहल की और आज दोनों देशों के संबंधों में काफी सुधार भी हुआ है। समझौता, संधियों एवं भूराजनीतिक रणनीति की दृष्टि से देखें तो भारत वाशिगटन डीसी का उतना ही बड़ा सहयोगी है जितना की नाटो के देश का। किन्तु भारत जानता है कि उसकी अकेले अमेरिका पर निर्भरता भी देश हित में नहीं है और न ही अमेरिका से दूर होने में भलाई है। ठीक उसी तरह रूस जब सोवियत संघ था तब भी उसके नेता भारत आते रहे और आज भी आए हैं किन्तु इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि भारत ने अमेरिका को छोड़ दिया। भारत ज्यादा से ज्यादा सहयोग रूस के साथ व्यापार एवं रक्षा तकनीक क्षेत्र में विस्तार की कोशिश करने का प्रायास कर रहा है। शुव्रवार को जब दोनों नेताओं के साथ प्रातिनिधि मंडल बैठेगा तो वह समझौतों को सार्वजनिक करेगा किन्तु आज जिस तरह एयरपोर्ट पर अगवानी करके अपने मित्र राष्ट्रपति पुतिन को प्राधानमंत्री मोदी लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रात्रि भोज के लिए ले गए उससे तो यही लगता है कि भारत को किसी भी नाराजगी की कोई परवाह नहीं है। संयोग की बात तो यह है कि अभी आठ महीने पहले ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उसी सरकारी आवास में प्राधानमंत्री मोदी का आतिथ्य स्वीकार करके गए हैं।

असल में अब भारत की पूरी कोशिश है कि विश्व व्यवस्था को अपने अनुवूल बनाया जाए। विगत वर्षो में भारत को विश्व व्यवस्था विषम होने का दुष्परिणाम भुगतना पड़ता था। इसलिए यह आवश्यक हो गया कि भारत सभी देशों और गुटों तक अपनी पहुंच बनाए तथा विश्व की महाशक्तियों को अपनी ताकत का एहसास दिलाए। ऐसा नहीं है कि हमारे देश में आज के पहले वाले नेताओं ने देश की बुलंदी का एहसास कराने की कोशिश नहीं की किन्तु दुर्भाग्य यह रहा कि भारत आर्थिक रूप से एक कमजोर देश था। इसलिए उसे अन्य देशों से महत्व नहीं मिलता था। आज भारत की अर्थव्यवस्था लगभग चार ट्रिलियन से ज्यादा हो गई तथा जीडीपी 8.2 तक पहुंच गई। दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश अपने उत्पादों को अपने देश में ही खपत बढ़ाकर टैरिफ के हथियार को भी भोथरा करने में सक्षम है। भारत को तो पिद्दी से तेली बिरादरी देश भी आंख दिखाते थे और धमकी देते थे कि वे जब चाहेंगे, भारत को तेल देना बंद कर देंगे। 2015 तक भारत अरब मुल्कों से अपनी खपत का 70 प्रातिशत पेट्रोलियम उत्पाद खरीदता था अब उसे 30 प्रातिशत पर ला दिया। पहले रूस से अपनी खपत का मुश्किल से 2 प्रातिशत खरीदता था लेकिन यूव्रेन युद्ध के बाद 42 प्रातिशत तक खरीदने लगा। भारत को यदि अमेरिका भी सस्ता पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराएगा तो उससे भी अपने खरीद की मात्रा बढ़ा देगा। भारत स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाए हुए है। इसलिए कोई भी धमका कर अपनी बात नहीं मनवा सकता। लब्बोलुआब यह है कि अब भारत बहुध्रुवीय विदेश नीति की बुलंदियों का प्रादर्शन कर रहा है और देश को इसी नीति की जरूरत है। आज भारत की इसी विदेश नीति के कारण यूरोपीय देश प्राधानमंत्री मोदी से उम्मीद कर रहे हैं कि वह राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए सहमत कर लेंगे।

महात्मा मंदिर-गांधीनगर में दो दिवसीय 'अर्थ समिट 2025-26' का भव्य शेभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार का देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य : केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह :-

- अर्थ समिट के अमृत चिंतन से लाया जा सकता है देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अनेक बड़ी चुनौतियों का उचित समाधान
- प्रधानमंत्री ने ग्रामीण विकास, कृषि और सहकारिता मंत्रालय को अधिक परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए गत एक दशक में इनके संयुक्त बजट में तीन गुना वृद्धि की
- सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए हर पंचायत में एक सहकारी संस्था और देश भर में 50 करोड़ से अधिक सक्रिय सहकारी सदस्य बनाए जाएंगे
- बनासकांठा और पंचमहाल का 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' मॉडल आवश्यक सुधारों के बाद पूरे देश में लागू किया जाएगा
- आगामी समय में देश में सहकारी टैक्सी और सहकारी बीमा सेवाएं भी लागू की जाएंगी

अर्थ समिट स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स, एग्री साइंटिस्ट, रिसर्चर्स और स्कॉलर्स को एक साथ लाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का मजबूत मंच देगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गुजरात विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी और विधानसभा उपाध्यक्ष श्री जेठाभाई आहिर की प्रेरक उपस्थिति

गांधीनगर, 05 दिसंबर : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने शुक्रवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में दो दिवसीय 'अर्थ समिट 2025-26' का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अर्थ समिट एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय सहकारिता मंत्री और मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष श्री शंकरभाई चौधरी, राज्य

के कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी तथा विधानसभा उपाध्यक्ष श्री जेठाभाई आहिर मौजूद रहे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इस अवसर पर कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा योगदान देने वाला क्षेत्र बनाने के लिए 'अर्थ समिट' श्रृंखला के तीन संस्करणों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका दूसरा संस्करण महात्मा गांधी की भूमि गुजरात में किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि महात्मा गांधी जी ने आजादी से कहा था कि भारत के विकास की परिकल्पना उसके ग्रामीण क्षेत्रों को नजरअंदाज करके कभी नहीं की जा सकती। दुर्भाग्यवश ग्रामीण विकास के तीन महत्वपूर्ण अंगों- कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र की आजादी के बाद कई वर्षों तक उपेक्षा की गई।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर महात्मा गांधी के मंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए इन तीनों क्षेत्रों के विकास पर बल देकर देश में नए परिवर्तन की शुरूआत की। देश की 80 फीसदी आबादी का भविष्य निर्धारित करने वाले ग्रामीण विकास, कृषि और सहकारिता मंत्रालय को और सुदृढ़ एवं परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने इन तीनों मंत्रालयों के संयुक्त बजट में वर्ष 2014 से अब तक तीन गुनी वृद्धि की है। 2014 में इन तीनों मंत्रालय का संयुक्त बजट 1.02 लाख करोड़ रुपए था, जो 2025-26 में 3.15 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

श्री शाह ने कहा कि हर देशवासी का यह संकल्प है कि जब देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब भारत हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अव्वल हो।

इस पूर्ण विकसित भारत की कल्पना देश के प्रत्येक नागरिक के कल्याण के बिना संभव नहीं है। भारत सरकार ने नागरिकों की खुशहाली और सहकारी क्षेत्र के विकास के लिए आने वाले समय में देश की हर पंचायत में एक सहकारी संस्था और पूरे देश में 50 करोड़ से अधिक सक्रिय सहकारी सदस्य बनाकर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सहकारी क्षेत्र के योगदान को तीन गुना बढ़ाने का आयोजन किया है।

अर्थ समिट के विषय 'वैश्विक परिवर्तन के लिए ग्रामीण नवाचार को सशक्त बनाना' का उल्लेख करते हुए श्री शाह ने कहा कि छोटे-छोटे बदलावों और नवाचारों से ग्रामीण क्षेत्र का देश की अर्थव्यवस्था में योगदान तथा नागरिकों की सुविधाएं किस प्रकार बढ़ सकती हैं, इस दिशा में चिंता, चिंतन और परिणाम-उन्मुख चचाएं करना ही इस अर्थ समिट का मुख्य लक्ष्य है।

कलर्स के 'सहर होने को है' से अपूर्व अग्निहोत्री कहते हैं– 'माँ को 'अम्मी' बुलाने से लेकर अजान पर जागने तक – फहीद धीरे-धीरे मेरी ज़िंदगी में समा गया'

एलआर

अपूर्व अग्निहोत्री आधिकारिक रूप से कलर्स के 'सहर होने को है' में डॉ. फरीद के रूप में एंट्री कर चुके हैं — एक गरिमामयी उपस्थिति के साथ जो शो के सबसे बड़े ट्विस्ट में से एक को गति देती है। माही विज (कौसर) और ऋषिता कोठारी (सहर) के साथ यह शो एक माँ-बेटी की गाथा है जिसने प्रीमियर के बाद से दर्शकों को बांधे रखा है। लखनऊ के दिल में सेट इस ड्रामे में कौसर की अथक लड़ाई दिखाई जाती है — अपनी सोलह वर्षीय बेटी को वो शिक्षा और स्वायत्तता दिलाने के लिए जो उसे खुद कभी नसीब नहीं हुई — जबकि उसका पति परवेज, एक उदासीन परिवारप्रमुख है और सहर को शक्तिशाली मुफ़्ती खानदान के वारिस माहिद (पार्थ समथान) से ब्याहने पर ताबड़तोड़ दबाव डालता है। इस तूफान में फंसा माहिद, अपने दर्द लेकर, आराम और जवाबों की तलाश में डॉ. फरीद के पास आता है — एक हीलर जो खुद ही ठीक नहीं है। खुली बातचीत में अपूर्व अग्निहोत्री ने इस परतदार किरदार को निभाने के अपने अनुभव, डॉ. फरीद में आई भावनाओं की जटिलता और उस रहस्य पर बात की जो उनके किरदार को कौसर से बांधे हुए है।

1. हमें शो के बारे में बताएं।

अ. 'सहर होने को है' एक मां और बेटी की यात्रा पर बना शो है, जो उत्पीड़न और पितृसत्ता के उस चक्र को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं जिसने पीढ़ियों से उनके परिवार को जकड़ा हुआ है। कौसर अपनी सोलह साल की बेटी सहर को लखनऊ लाती है क्योंकि वह चाहती है कि उसे वह आजादी और शिक्षा मिले, जिसके लिए उसे खुद लड़ने का मौका कभी नहीं मिला। लेकिन सहर का पिता परवेज इसका कड़ा विरोध करता है। वह उसकी शादी प्रभावशाली मुफ्ती परिवार के माहिद से कराने पर तुला हुआ है। जैसे-जैसे सहर समझती है कि अपने सपनों के लिए खड़े होने का क्या मतलब है, माहिद उसकी दुनिया में प्रवेश करता है, एक ऐसा युवक जिससे एक धार्मिक नेता के रूप में अपने दादा की विरासत को आगे बढ़ाने की उम्मीद की जाती है। बाहर से वह दबंग, लगभग परिपूर्ण लगता है, लेकिन वह ऐसे भावनात्मक घाव लिए हुए है जो किसी

को दिखाई नहीं देते। माहिद मेरे किरदार, डॉ. फरीद से इलाज चाहता है, किस्मत धीरे-धीरे सहर और माहिद को एक-दूसरे की ओर धकेलती है। डॉ. फरीद और कौसर के बीच का छिपा हुआ संबंध शो का सबसे बड़ा रहस्य बन जाता है। इस सबके बीच, मां और बेटी एक अप्रत्याशित विद्रोह छेड़ देती हैं, जिससे दर्शक यह सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या वे वास्तव में पितृसत्ता के पिंजरे से मुक्त हो पाएंगी। और अपने पैमाने, भावनाओं और कहानी कहने के अंदाज के साथ, 'सेहर होने को है' इस तरह सामने आता है जो जीवन से भी बड़ा लगता है।

2. हमें बताएं कि आपको अपनी भूमिका में किस बात ने आकर्षित किया?

अ. जिस चीज ने मुझे तुरंत आकर्षित किया, वह थी डॉ. फरीद का दोहरापन। बाहर से, वह एक सम्मानित डॉक्टर हैं, एक ऐसा व्यक्ति जिसकी ओर हर कोई मदद की आस के साथ देखता है। लेकिन अंदर से, वह एक ऐसा पिता है जो अभी भी यह समझ रहा है कि अपनी गोद ली हुई बेटी, अमल तक भावनात्मक रूप से कैसे पहुंचा जाए। फिर माहिद एक मरीज के रूप में उनके जीवन में आता है, और अचानक उनके बीच एक अप्रत्याशित बंधन बन जाता है। इसमें कौसर के साथ साझा किए गए उनके अनछुए इतिहास को जोड़ दें, तो फरीद एक ऐसा आदमी बन जाता है जो लगातार तर्क और पुरानी, दबी हुई भावनाओं के बीच खिंचता रहता है। खुद एक पिता होने के नाते, मैं तुरंत उनसे जुड़ गया। मैं एक 'गर्ल डैड' (बेटी का पिता) हूं, इसलिए मैं समझता हूं कि सुरक्षा करने, मार्गदर्शन करने और फिर भी हर दिन सीखने की चाह का क्या मतलब होता है। एक पिता के रूप में अपने अनुभव को इस शो में लाना अविश्वसनीय रूप से खास रहा है।

3. आपने इस शो के लिए तैयारी कैसे की?

अ. मैं वास्तव में इसे सही तरीके से करना चाहता था, इसलिए मैंने बुनियादी न्यूरोलॉजी और कुछ मनोरोग ढांचे के बारे में पढ़ना शुरू किया ताकि यह समझ सकूं कि फरीद जैसा कोई व्यक्ति कैसे सोचता है, निरीक्षण करता है, और अपने खुद के तूफानों को छिपाते हुए दूसरे लोगों के लिए जगह बनाता है। मैंने इस पेशे के साथ आने वाली भावनात्मक थकान और अनुशासन को समझने के लिए कुछ वास्तविक केस स्टडीज भी देखीं। और निश्चित रूप से, मैंने अपनी उर्दू पर बहुत काम किया क्योंकि फरीद शांति और तहजीब की दुनिया से आता है, और यह उसके बोलने के तरीके में झलकना चाहिए।

एचडीएफसी बैंक की प्रधान अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता की टिप्पणी

ब्याज दरों में कटौती से उपभोग और वृद्धि को प्रति-चक्रीय प्रोत्साहन मिलेगा।

लखनऊ, आरबीआई ने हमारी उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों में कटौती की, विकास के लिए आसन्न जोखिमों को पहचाना और कम मुद्रास्फीति से उत्पन्न मौद्रिक गुंजाइश का उपयोग किया। हालांकि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8% से ऊपर पहुंच गई थी, लेकिन निर्यात पर बाहरी प्रतिकूलताओं का जोखिम अभी भी बना हुआ है। इसके अलावा, त्यौहारी सीजन के दौरान खपत में स्थिरता देखी जानी बाकी है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, ब्याज दरों में कटौती से उपभोग और वृद्धि को प्रति-चक्रीय प्रोत्साहन मिलेगा।

हमारा अनुमान है कि वर्ष के मध्य तक मुद्रास्फीति 4% से नीचे रहेगी, जिससे पता चलता है कि आगामी तिमाहियों में वृद्धि में गिरावट के संकेत मिलने की स्थिति में ब्याज दरों में एक और कटौती की गुंजाइश बनी हुई है। वैकल्पिक रूप से, यदि हालिया आर्थिक गति जारी रहती है तथा अनुकूल व्यापार समझौते की घोषणा

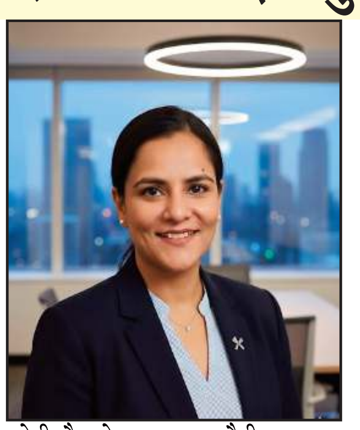

होती है, तो यह दर कटौती चक्र का अंत हो सकता है। हमें वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी वृद्धि दर 7.3% और वित्त वर्ष 2027 में 6.5% रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति दर 2% और वित्त वर्ष 2027 में 4% रहने का अनुमान है।

ओएमओ खरीद और खरीद/बिक्री स्वैप के माध्यम से टिकाऊ तरलता के प्रवाह से इस दर में कटौती का अधिकाधिक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे हाल के एफएक्स हस्तक्षेप से उत्पन्न दबाव को कम करने में मदद मिलेगी, तथा बांड बाजार में ऊपर की ओर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद मिलेगी।

प्राइम वीडियो लाएगा 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!' का आखिरी सीजन, 19 दिसंबर को होगा प्रीमियर

मुम्बई ,प्राइम वीडियो ने आज ये ऐलान कर दिया है कि इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड ओरिजिनल सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज! के फाइनल सीजन की ग्लोबल प्रीमियर डेट 19 दिसंबर होगी। साल के आखिर में ये शो धमाकेदार अंदाज में वापसी कर रहा है, और हॉलिडे सीजन के ठीक समय पर आ रहा ये आखिरी चैप्टर फैन्स के लिए एक परफेक्ट ईयर-एंडर ट्रीट जैसा है। ये इस फ्रेंचाइज का वो फाइनल सेलिब्रेशन है जिसमें फिर से वही गहरी चुभने वाली हंसी होगी, वो ड्रामा होगा जो दिल पर असर छोड़ देता है, वो शॉट्स जो रुकते नहीं और उन चार महिलाओं का अटूट बंधन जिन्होंने जिंदगी से एक चीज सीख ली है कि इसे जीने के लिए किसी भी तरह की रोकटोक नहीं होनी चाहिए। इस बार फिनाले में लीड रोल में सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू फिर से अपनी जगह पर नजर आएंगी। इनके साथ प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीजा रे और अंकुर राठी भी अपने-अपने किरदार दोबारा निभा रहे हैं। वहीं इस सीजन में डिनो मोरिया, अनसूया सेनगुप्ता और कुनाल रॉय कपूर भी कास्ट में नए नाम के तौर पर जुड़ रहे हैं। यह सीरीज प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। देविका भगत ने इसे डेवलप और लिखा है, जबकि संवाद इशिता मोइत्रा ने दिए हैं। फोर मोर शॉट्स प्लीज! सीजन 4 का निर्देशन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है। यह सीरीज 19 दिसंबर को इंडिया सहित दुनिया के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। अपने आखिरी पड़ाव में फोर मोर शॉट्स प्लीज! फिर वही हंगामा लेकर लौट रही है। यह सीरीज हमेशा से ही असली दोस्ती, बिन झिझक आजादी और औरतों की उस प्यारी-सी उलझन के बारे में रही है। लेकिन इस बार, इस फाइनल सीजन में? हमारी पसंदीदा गैंग सिर्फ वापस नहीं आ रही, वे लौट रही हैं एक वादा लेकरङ्ग वो भी ऐसा वादा, जो सब पर भारी पड़े। और बस, पहले ही फ्रेम से शुरू हो जाता है पूरे धमाल और अफरातफरी के साथ। परफेक्शन को भूल जाओ। सेफ खेलने को भूल जाओ। दामिनी, उमंग, अंजना और सिद्धि अब किसी रूलबुक को नहीं मानने वालीं। उन्हें देखो कभी ठोकर खाते हुए, कभी जमीन पर जोर से गिरते हुए, और फिर उसी से दस गुना ज्यादा पागलपन, शरारत और रियलनेस के साथ दोबारा उठते हुए। ट्रैवल गोल्स? लेवल अप। दोस्ती? अपनी पूरी हद तक टेस्ट होने वाली। रोमांस? पहले से कहीं ज्यादा उलझा हुआ। और सैस? बिल्कुल फीयरलेस। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने कहा, 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!

भरोसे, तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से यात्रा को नए सिरे से परिभाषित करता है वीएफएस ग्लोबल

लखनऊ पारंपरिक वीजा आवेदन प्रक्रिया लंबे समय से मैन्युअल जाँच, दस्तावेज प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत सत्यापन जैसी जटिल प्रक्रियाओं का मेल रही है। आज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित दस्तावेज पहचान, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और पूवार्नुमान विश्लेषण ने इस प्रक्रिया को अभूतपूर्व रूप से सरल और तेज बना दिया है ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन (OCR) और मशीन लर्निंग के संयोजन से अब पासपोर्ट और अन्य सहायक दस्तावेजों से डेटा कुछ ही सेकंड में निकाला और सत्यापित किया जा सकता है, जबकि कंप्यूटर विजन सिस्टम किसी भी असंगति या संभावित छेड़छाड़ का पता मानव आँख से कहीं अधिक सटीकता से लगा लेते हैं।

जब हर प्रक्रिया में भरोसा निहित हो, हर कदम पर पारदर्शिता झलके और नवाचार में संवेदनशीलता शामिल हो तब सीमाएँ बाधा नहीं, बल्कि अवसर, समझ और साझा प्रगति के द्वार बन जाती हैं वीएफएस ग्लोबल किसी भी तीसरे पक्ष के साथ अपॉइंटमेंट आवंटन के लिए कार्य नहीं करता। आवेदकों को सावधान रहने की सलाह दी जाती है कि वे किसी भी ऐसे व्यक्ति या संस्था से सतर्क रहें जो स्वयं को श्ऋ ऋृंड्ड' से जुड़ा हुआ बताता है या संगठन के नाम पर दावा करता है।

आज की दुनिया में जब वैश्विक गतिशीलता लगातार बढ़ रही है, तो निर्बाध यात्रा की शुरूआत उड़ान से पहले ही हो जाती है वीजा प्रक्रिया, सत्यापन और डेटा सुरक्षा के साथ विश्वभर की क्लाइंट सरकारों के विश्वसनीय साझेदार के रूप में प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और विश्वास के संयोजन से वैश्विक यात्रा को सरल बनाते हुए उद्योग के नए मानक स्थापित कर रहा है।

यह केवल गति की बात नहीं है, बल्कि सुरक्षा और अनुकूलनशीलता की भी है। स्वचालित जोखिम मूल्यांकन मॉडल उभरते भू-राजनीतिक जोखिमों या आवेदन की बढ़ती मात्रा के अनुसार वास्तविक समय में समायोजित हो सकते हैं। सरकारों के लिए इसका अर्थ है बेहतर नियंत्रण और निगरानी, जबकि आवेदकों के लिए यह प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तीव्र परिणामों में परिवर्तित होती है सुरक्षित डिजिटल प्रणालियों, एआई-सक्षम सहायता और बायोमेट्रिक सत्यापन के साथ,हर वर्ष लाखों आवेदकों को सुगम और भरोसेमंद अनुभव प्रदान करता है।

इसकी 'यात्री-प्रथम' नवाचार सेवाएँ जैसे रियल-टाइम एप्लिकेशन ट्रैकिंग और 'वीजा एट योर डोरस्टेप सुविधा, सुरक्षा और पहुँच के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं भारत में, वर्ष 2019 की तुलना में श्अ ऊ बुकिंग में छह गुना वृद्धि हुई है, जो टियर-II और टियर-III शहरों में इसकी लोकप्रियता को दशार्ती है जैसे-जैसे भारत में विदेश यात्रा की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है 2024 में इसमें 11% की वृद्धि दर्ज की गई —VFS Global सुरक्षित, पारदर्शी और नैतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से यात्रियों और सरकारों दोनों के बीच विश्वास को और मजबूत कर रहा है।

कंपनी की विस्तृत वैल्यू-ऐडेड सेवाएँ जैसे प्रीमियम लाउंज, कूरियर डिलीवरी और डिजिटल अपलोड यात्रियों को अतिरिक्त आराम प्रदान करती हैं, साथ ही अनुपालन को भी सुनिश्चित करती हैं वीजा धोखाधड़ी से आवेदकों की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है संगठन पुनः दोहराता है कि वीजा अपॉइंटमेंट निःशुल्क हैं और इन्हें केवल इसकी आधिकारिक वेबसाइट या साझेदार सरकारों के आधिकारिक पोर्टल्स के माध्यम से ही बुक किया जा सकता है।वीएफएस ग्लोबल का किसी भी तीसरे पक्ष से कोई संबंध नहीं है जो अपॉइंटमेंट बेचने या 'प्राथमिकता प्रवेश देने का दावा करता हो।

आवेदकों से अनुरोध है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना आधिकारिक एंटी-फ्रॉड पोर्टल https://www.vfsglobal.com/en/donotfallforfraud/ के माध्यम से दें ब्लॉकचेन आधारित सत्यापन, डिजिटल ट्रैवल क्रेडेंशियल्स और पूवार्नुमान एआई जैसी उभरती तकनीकें भविष्य में सीमाओं को और भी सुगम बनाने की क्षमता रखती हैं।

लेकिन इनकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या ये समाधान यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण को प्राथमिकता देते हैं — अर्थात यात्रियों को उनके व्यक्तिगत डेटा पर अधिक नियंत्रण प्रदान करना, हर चरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और विविध आवश्यकताओं के अनुसार प्रक्रिया को अनुकूलित करना।

पुतिन की दिल्ली में कैसी बीती रात? भारत ने क्या खिलाया? ि

(जीएनएस)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा का समापन भव्य राजकीय भोज के साथ हुआ, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक शानदार थाली परोसकर भारतीय आतिथ्य सत्कार की मिसाल कायम की। 5 दिसंबर की रात आयोजित इस स्टेट डिनर में कश्मीर की गुच्छी दून चेटिन से लेकर दक्षिण भारत के मुरक्कू तक, देशभर के स्वादों का अनोखा संगम देखने को मिला।

पुतिन के लिए खासतौर पर तैयार यह मेन्यू न सिर्फ भारतीय पाककला की विविधता दशार्ता था, बल्कि रूसी स्वादों का भी ख्याल रखा गया- जैसे पेल्मेनी से प्रेरित झोल मोमोज। लगभग 150 मेहमानों वाले इस भोज ने भारत-रूस की सांस्कृतिक दोस्ती को और मजबूत कर दिया। आइए विस्तार से जानते हैं...

डिनर का शानदार मेन्यू- सूप से

डेजर्ट तक हर बाइट में भारत का जायका

राष्ट्रपति भवन के शेफ्स ने मौसमी सामग्री और पारंपरिक तकनीकों से तैयार की गई थाली में क्षेत्रीय व्यंजनों की पूरी रेंज पेश की। यह पूरी तरह शाकाहारी था, जो पुतिन की डाइटरी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाया गया। आइए, डिश-बाय-डिश जानते हैं कि पुतिन ने क्या-क्या चखाः-

भोज की शुरूआत हुई हल्के और गर्माहट भरे मुरुंगेलाई चारू (सहजन पत्ता और मूंग दाल का सूप) से। इसके बाद आए ऐपेटाइजर्स - गुच्छी दून चेटिन (अखरोट की कश्मीरी चटनी से भरी मोरेल मशरूम), काले चने के शिकम्पुरी कबाब (पैन-ग्रिल्ड ब्लैक ग्राम कबाब), और वेजिटेबल झोल मोमो (रूसी पेल्मेनी से इंस्पायर्ड, मसालेदार चटनी के साथ)। ये डिशेज कश्मीर से हिमालय तक के स्वादों का सफर कराती हैं।

मेन कोर्स मुख्य भोजन में सर्दियों की ताजा सब्जियों का जलवा था। शामिल थे जाफरानी पनीर रोल (केसरिया पनीर रोल्स), पालक मेथी मटर का साग, अचारी बैंगन (अचार मसाले वाली बैंगन), तंदूरी भरवां आलू, और पीली दाल तड़का। साथ में ड्राई फ्रूट-सफरॉन पुलाव और विभिन्न भारतीय ब्रेड्स जैसे नान, रोटी व परांठा।

डालीगंज मे उड़ाई जा रही नियम कानून की खुलेआम धज्जियां

(जीएनएस)।

लखनऊ। एक ओर जहा अभी कुछ दिन पहले ही थाना पारा क्षेत्र मे सावन के मेले मे सुरक्षा की दृष्टि से बड़े-बड़े झूलो की परमीशन डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने करी थी कैंसिल। वही दूसरी ओर कतकी के मेले डालीगंज मे खुलेआम चल रहे बड़े-बड़े झूले। जहा परमीशन पर रात्रि 10 बजे का लिखा होता है समय वही दूसरी तरफ नियमो की धज्जियाँ उड़ाकर रात्रि 12 बजे तक चलाया जाता है गगन चुंबी झूला एक झूले पर तो साफ-साफ लिखा है लटके 150 सेकेंड और पाए 2000 रुपए इनाम इसका मतलब साफ है कि मौत के डर से कोई भी 150 सेकेंड तक इस झूले पर नही लटक सकता। इसके बावजूद रुपए जीतने की लालच मे लोग अपनी जान दांव पर लगाते दिख रहे सवाल ये उठता है कि जब परमीशन पर साफ-साफ लिखा होता है कि रात्रि 10 बजे तक तो आखिर क्यो 12 बजे तक चलते है झूले पहले भी गगन चुंबी झूलो से हो चुके है कई हादसे।

प्रशासन की नियमो की धज्जी उडा रहा है रातू के मैरेज हॉल

– डीजे की साउंड कम रखने को कहने पर लडने पर उतारू हो जाते है

रातू। प्रखंड में दो दर्जन से अधिक मैरेज हॉल खुल गए है। इन सभी मैरेज हॉल में नियमो की खुलेआम धज्जी उड रही है। प्रशासन द्वारा यह साफ निर्देश है कि रात 10 बजे के बाद डीजे तेज साउंड में नही बजाना है लेकिन कोई भी मैरेज हॉल नियमो को नही मान रहा। सभी मैरेज हॉलो में देर रात तक डीजे तेज साउंड में बजते रहती है। डीजे की साउंड इतनी तेज रहती है कि पुरा घर का दरवाजा, खिडकी,अलमीरा हिलने लगती है। जिस घर में बीमार बुर्जुग है सोच सकते है उसकी हालत क्या होती होगी। एतवार बाजार स्थित वूदावन मैरेज हॉल के संचालक को इसकी कोई चिंता नही है। इनके लिए कोई नियम नही है। मैरेज हॉल ऐसी जगह में है जो क्षेत्र का पॉश इलाका कहलाता है। ऐसे में शाम होते ही तेज साउंड में बज रही डीजे से पढने वाले लोगो को भी काफी परेशानी होती है। एतवार बाजार क्षेत्र के लोगो ने अविलंब ऐसे मैरेज हॉल पर कारवाई कर इन पर प्रतिबंध की मांग की है। क्षेत्र के लोगो का कहना है कि क्षेत्र के कई मैरेज हॉल अभी तक रजिस्टर्ड भी नही है और सरकार को चुना लगा रहे है। ऐसे मैरेज हॉल पर कारवाई स्थानीय पुलिस प्रशासन भी नही कर रही है।

यूपी के नजीबाबाद से कछुवों की तस्करी करने वाले दंपत्ति गिरफ्तार, ऋषिकेश में महंगे दामों में बेचने की थी योजना

(जीएनएस)।

देहरादून पुलिस ने वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त दंपत्ति को गिरफ्तार किया है। दंपत्ति यूपी के नजीबाबाद से तस्करी कर कछुवों को ऋषिकेश ला रहे थे। अभियुक्तों के कब्जे से संरक्षित प्रजाती के 14 कछुवे बरामद हुए हैं। जो कि नजीबाबाद से कछुवे खरीदकर स्थानीय खरीदारों को महंगे दामो में बेचने योजना बना रहे थे।

आरोपी दंपत्ति ऋषिकेश का रहने वाला है और कबाड़ी का काम करते हैं। जो कि कछुवों को गाड़ी में अवैध तरीके से ला रहे थे। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान ये कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

वन्य जीव तस्करी से जुड़ा मामला होने की वजह से पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है।कोतवाली रायवाला से मिली जानकारी के अनुसार देहरादून जिले में एसएसपी के निर्देश पर लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। सघन चैकिंग के दौरान रायवाला पुलिस द्वारा रायवाला कोतवाली के गेट के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग ऋषिकेश को जाने वाली सड़क पर एक वाहन को रोककर चेक किया गया।

वाहन में बेताबनाथ निवासी काले की ढाल सपेरा बस्ती ऋषिकेश जिला देहरादून उम्र 35 वर्ष और उसकी पत्नी बरखा पत्नी सवार थे। वाहन की डिग्गी को चेक करने पर उसमें से संरक्षित प्रजाती के 14 छोटे-बडे कछुए बरामद हुए, जिनके सम्बन्ध में पूछताछ करने पर कार सवार दम्पत्ति कोई सन्तोषजनक जवाब नहीं दे पाये और न ही उनसे सम्बन्धित कोई वैध कागजात ही दिखा पाये।

पुलिस द्वारा दोनो अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध कोतवाली रायवाला पर सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों से सख्ती से पूछताछ करने पर अभियुक्त बेताबनाथ द्वारा बताया गया कि वह कबाडी का काम करता है और कछुओं को उन्होने नजीबाबाद निवासी एक व्यक्ति से खरीदा था, जिन्हें वह तस्करी कर अपने घर काले की ढाल ऋषिकेश ला रहे थे। अभियुक्त उक्त कछुओं को स्थानीय खरीदारों को मंहगे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने की फिराक में थे।

बिहार विधानसभा में गूंजा एमपी आईएएस संतोष वर्मा का विवाद: ब्राह्मण बेटियों के बयान पर एलजेपी विधायक ने उठाई ये मांग

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के प्रमोटी कअर अधिकारी और अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ (AJJAKS) के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा के ब्राह्मण बेटियों पर दिए गए कथित अपमानजनक बयान ने अब बिहार विधानसभा तक पहुंच बना लिया है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के विधायक राजू तिवारी ने सदन में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए वर्मा के खिलाफ FIR दर्ज करने और कठोर कार्रवाई की मांग की। तिवारी ने कहा कि किसी जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति का यह बयान "दुर्भाग्यपूर्ण" है और समाज में वैमनस्य फैला रहा है।

यह विवाद 23 नवंबर 2025 को भोपाल में AJJAKS की प्रांतीय बैठक के दौरान शुरू हुआ था, जब वर्मा ने आरक्षण पर बहस के बीच कहा था, "आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक कोई ब्राह्मण अपनी बेटी को मेरे बेटे से शादी न कर दे या उसके साथ संबंध न बनाए।" इस बयान ने टढ में ब्राह्मण समाज में भारी आक्रोश पैदा कर दिया, जो अब बिहार तक फैल चुका है। मध्य प्रदेश सरकार ने वर्मा को शो-कॉज नोटिस जारी किया है, लेकिन FIR की मांग तेज हो रही है।

बिहार विधानसभा में LJP विधायक राजू तिवारी का तीखा प्रहार: "किसी की बहन-बेटी पर बोलने का अधिकार नहीं"

बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को LJP (रामविलास) के विधायक राजू तिवारी ने सदन में कअर संतोष वर्मा के बयान का जिक्र करते हुए जोरदार हमला बोला। ब्राह्मण बिरादरी से आने वाले तिवारी ने कहा,

"मैं ब्राह्मण बिरादरी से आता हूं। एक वरिष्ठ IAS जिनका नाम संतोष वर्मा है... किसी भी जाति की बेटी के बारे में जो गंदी बात उन्होंने बोली है, एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए।

ये निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं सदन से मांग करूंगा कि किसी की बहन-बेटी के बारे में बोलने का किसी को अधिकार नहीं है। मैं सदन से मांग करूंगा कि ऐसे IAS पर कार्रवाई हो। उनके ऊपर FIR दर्ज हो और इतनी कठोर कार्रवाई हो कि किसी भी जाति का कोई व्यक्ति किसी समाज के बारे में बोलने की जुर्रत न कर सके।"

तिवारी का यह बयान सदन में गूंजा, लेकिन भाजपा और खउ्व विधायकों ने चुप्पी साधी। LJP नेता चिराग पासवान ने ट्वीट कर समर्थन दिया: "महिलाओं के सम्मान पर कोई समझौता नहीं। IAS अधिकारी को तुरंत बर्खास्त किया जाए।" यह मुद्दा बिहार में भी जातिगत तनाव बढ़ा रहा है, जहां OBC-SC-रळ आरक्षण बहस हमेशा गर्म रहती है।

संतोष वर्मा का विवादास्पद बयान: "आरक्षण तब तक जब तक ब्राह्मण बेटी न दे दे"

23 नवंबर 2025 को भोपाल में AJJAKS की बैठक में वर्मा को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। आरक्षण को आर्थिक आधार पर देने की बहस के बीच उन्होंने कहा, "परिवार में एक ही व्यक्ति को आरक्षण मिलना चाहिए जब तक कि कोई ब्राह्मण अपनी बेटी को मेरे बेटे को न दे दे या उसके साथ संबंध न बनाए।" यह बयान वीडियो में रिकॉर्ड हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वर्मा ने सफाई दी कि बयान "संदर्भ से हटकर" पेश किया गया। उन्होंने कहा, "हम आरक्षण को सामाजिक या आर्थिक आधार पर देने की चर्चा कर रहे थे। मेरा इरादा किसी समाज का अपमान करना नहीं था।" लेकिन ब्राह्मण संगठनों ने इसे "जातिवादी और महिलाओं के अपमान" करार दिया। ऑल इंडिया ब्राह्मण सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पेंद्र मिश्रा ने कहा, "यह ब्राह्मण बेटियों का अपमान है। FIR दर्ज होनी चाहिए।" मिश्रा ने पर पोस्ट किया, "ब्राह्मण बेटियों पर टिप्पणी के लिए IAS संतोष वर्मा के खिलाफ तुरंत FIR हो।"

MP में ब्राह्मण संगठनों का आक्रोशः विरोध प्रदर्शन, हाईकोर्ट में याचिका

MP में विवाद ने तूल पकड़ लिया। 25 नवंबर को भोपाल, ग्वालियर, सिंगरौली, नर्मदापुरम और रायसेन में ब्राह्मण संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किए। भोपाल के रशनपुरा चौराहे पर सड़क जाम कर पुतला दहन किया गया। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा, "यह सस्ता और विभाजनकारी मानसिकता है। कअर अधिकारी को जिम्मेदारी से बोलना चाहिए।"

इंदौर कोर्ट में याचिका दाखिल हो चुकी है, जिसमें वर्मा के खिलाफ FIR की मांग की गई। ग्वालियर में वकील अनिल मिश्रा के नेतृत्व में SP कार्यालय पहुंचे और FIR की मांग की। SP धर्मवीर सिंह ने जांच का आश्वासन दिया। 26 नवंबर को राजगढ़ जिले में वर्मा का पुतला जलाया गया।

टढ सरकार का रुखः शो-कॉज नोटिस जारी, लेकिन FIR पर चुप्पी

मध्य प्रदेश सरकार ने 27 नवंबर को वर्मा को शो-कॉज नोटिस जारी किया, जिसमें बयान को "सिविल सर्विस कंडक्ट रूल्स का उल्लंघन" बताया। वर्मा कृषि विभाग में डिप्टी सेक्रेटरी हैं। मुख्य सचिव कैलाश चंद्र मीणा ने कहा, "जांच के बाद कार्रवाई होगी।" लेकिन ब्राह्मण संगठनों ने कहा, "शो-कॉज से काम नहीं चलेगा, ऋक्क जरूरी।"

पूर्व स्पीकर सीतासरण शर्मा का बयानः "कार्रवाई होगी, लेकिन जांच पहले"

टढ विधानसभा के पूर्व स्पीकर और इखढ विधायक सीतासरण शर्मा ने कहा, "हां, थोड़ा चिंता का विषय तो है क्योंकि जिस जज ने ऑर्डर किया था उनके खिलाफ कार्रवाई हो गई। लेकिन मैं सोचता हूं किसी भी एक्शन के पहले पूरी इंक्वायरी आवश्यक होती है। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। चूंकि बयान अखबारों में आया है इसलिए कई बार ऑर्डर्स हाईकोर्ट में टिकते नहीं और उन्होंने जो स्पष्टीकरण दिया कि मैंने कोई गलती नहीं की। वो फिर कहेंगे कि मेरे खिलाफ बिना जांच कार्रवाई कर दी।"

शर्मा ने मुख्यमंत्री से मांग की थी, लेकिन सदन में चुप्पी साधी।

संतोष वर्मा का विवादास्पद इतिहासः पहले भी फर्जी साइन वाले केस में जेल, यह वर्मा का पहला विवाद नहीं। 2021 में एक महिला के खिलाफ आपराधिक धमकी के केस में जज के फर्जी साइन से राहत लेने का आरोप लगा। CBI ने जांच की और वर्मा जेल गए। बाद में बरी हुए, लेकिन विवाद बरकरार। ब्राह्मण संगठनों ने इसे "पुरानी आदत" बताया।

जातिगत तनाव, 2028 चुनाव से पहले BJP पर दबाव

यह विवाद MP में जातिगत समीकरण बिगाड़ सकता है। ब्राह्मण समाज BJP का पारंपरिक वोट बैंक है। कांग्रेस ने कहा, "मोहन सरकार कअर अधिकारियों को संरक्षण दे रही।" LJP का बिहार में उठाना NDA के लिए असहज है। विश्लेषकों का कहना है कि 2028 चुनाव से पहले इखढ को सावधान रहना होगा।

IAS संतोष वर्मा का बयान MP से निकलकर बिहार तक पहुंच गया। राजू तिवारी की FIR मांग ने मुद्दे को राष्ट्रीय रंग दे दिया।

आसनसोल मंडल ने रेलवे कर्मचारियों की बेहतर वित्तीय सुरक्षा के लिए एसबीआई रेलवे सैलरी पैकेज अकाउंट पर सेमिनार आयोजित किया

आसनसोल, 05 दिसंबर, 2025

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के लेखा विभाग ने आज मंडल रेलवे प्रबंधक के कार्यालय के न्यू कॉन्फ्रेंस रूम (ठउफ) में रेलवे कर्मचारियों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के रेलवे सैलरी पैकेज अकाउंट (फ्रढ) के तहत मिलने वाले विभिन्न फायदों के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से एक सेमिनार आयोजित किया। यह कार्यक्रम श्रीमती विनीता श्रीवास्तव, मंडलल रेलवे प्रबंधक की अध्यक्षता में हुआ, जिन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे रेलवे कर्मचारियों की सेवा के दौरान उनकी वित्तीय सुरक्षा और कल्याण को मजबूत करने की दिशा में एक सार्थक कदम बताया।

यह सेमिनार भारतीय रेलवे और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बीच माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और एसबीआई (रइक) के चेयरमैन श्री सी.एस. शेट्टी की उपस्थिति में हुए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (टङ्खव) पर हस्ताक्षर के बाद कर्मचारी कल्याण को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। वर्तमान में लगभग सात लाख रेलवे कर्मचारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अपने सैलरी अकाउंट बनाए हुए हैं, जो इस पहल के देशव्यापी पैमाने और प्रभाव को दशार्ता है। इस समझौता ज्ञापन (टङ्खव) के तहत एसबीआई (रइक) में सैलरी अकाउंट रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को अब काफी बेहतर बीमा कवरेज मिलेगा। यह सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रुप इंश्योरेंस स्कीम के तहत पहले से उपलब्ध प्रावधानों से एक बड़ा बदलाव है और यह देश भर में रेलवे कर्मचारियों की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

रेलवे सैलरी पैकेज अकाउंट जो विशेष रूप से रेलवे कर्मचारियों के लिए डिजाइन किया गया है, वित्तीय और बीमा लाभों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इनमें एक करोड़ रुपये तक का बेहतर पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस, एक करोड़ साठ लाख रुपये तक का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस और रूपे (फ्नढ८) डेबिट कार्ड के माध्यम से अतिरिक्त एक करोड़ रुपये, और एक करोड़ रुपये का स्थायी पूर्ण विकलांगता कवरेज शामिल है। कर्मचारियों को अस्सी लाख रुपये तक का स्थायी आंशिक विकलांगता सुरक्षा और दस लाख रुपये का ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस भी मिलेगा, जो बिना किसी प्रीमियम भुगतान या मेडिकल जांच के उपलब्ध है। इन सुरक्षाओं के अलावा यह अकाउंट डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर दो लाख रुपये तक का परचेज प्रोटेक्शन देता है, साथ ही कई बैंकिंग सुविधाएं भी देता है जैसे जीरो-बैलेंस सैलरी अकाउंट, फ्री एटीएम ट्रांजैक्शन, डिजिटल बैंकिंग सर्विस, ऑटो स्वीप-इन और स्वीप-आउट ऑप्शन, अनुकूल ऋण ब्याज दरें और एसबीआई डेबिट कार्ड तथा योनो (डठड) प्लेटफॉर्म के जरिए रिवॉर्ड बेनिफिट्स। इन सभी सुविधाओं का मकसद रेलवे कर्मचारियों को एक मजबूत फाइनेंशियल फाउंडेशन और लंबे समय की सुरक्षा प्रदान करना है।

इस सेमिनार में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्रीमती विनीता श्रीवास्तव ने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर रेलवे सैलरी पैकेज अकाउंट सभी रेलवे कर्मचारियों के पूरे विकास के लिए इंडियन रेलवे और एसबीआई (रइक) की साझा प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने बताया कि आसनसोल मंडल नियमित जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए कर्मचारियों के कल्याण और फाइनेंशियल लिटरेसी को प्राथमिकता देता रहता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि कर्मचारियों को उनके फायदे के लिए बनाई गई नीतियों के बारे में पूरी जानकारी रहे।

इस सेमिनार में आसनसोल मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिनमें श्री प्रवीण कुमार प्रेम, अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री वान्या आरे, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक, सुश्री बबल यादव, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी और अन्य शाखा अधिकारीगण शामिल थे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें श्री वीरेंद्र सिंह,ङ्क

91वे दिन लगातार अनिश्चितकालीन धरना जारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। योगी की सरकार में न्याय के लिए 91 दिनों से किसान धरने पर बैठे हैं अधिकारियों द्वारा किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं कराया जा रहा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी सहित कई मंत्रियों द्वारा लगातार घोषणा की जा रही है अधिकारियों को निर्देश दिया जा रहा है किसने की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाए राजधानी के किसानों के साथ अधिकारियों का रवैया देखते हुए अंदाजा लगाया जा सकता है की अन्य जिले के किसानों की दुर्दशा क्या होगी 04/12/2025 को 91वें दिन लगातार अनिश्चितकालीन धरना जारी भाकियू लोकतांत्रिक संगठन के बैनर तले लखनऊ जिले के मलिहाबाद तहसील के विकास खण्ड माल के ग्राम पंचायत सैदापुर चक में किसानों द्वारा लगातार अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है मलिहाबाद तहसील प्रशासन द्वारा किसानों की समस्याओं का निस्तारण न कराए जाने से किसान आक्रोशित जब तक किसानों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो जाता अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा समय रहते किसानों की समस्याओं का निस्तारण न होने पर संगठन के द्वारा एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

चि० गोविंद एवं आयुष्मति लवली परिणय सूत्र में बंधे

(जीएनएस)।

लखनऊ। देवघर स्थानीय विलियम्स टाउन निवासी अशोक सिंह के सुपुत्र चि० गोविंद संग आयु० लवली के झाझा में धूमधाम से आयोजित शुभ विवाहोपलक्ष्य पर राष्ट्र जागृति मंच के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता ने नवदंपत्ति को उनके उज्जवल भविष्य एवं सुखमय दांपत्य जीवन की ढेंर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि नवदंपत्ति जीवन की पगडंडी पर तालमेल से आगें बढ़े। साथ ही, जीवन के उतार-चढ़ाव के सहयात्री और सुख-दुःख के सहभागी बने और खुशहाल व सुखमय गृहस्थ जीवन व्यतीत करें, ऐसी कामना है। मौके पर अनेकों गणमान्य लोग, समाजसेवी, नगर-वासी, सगे-संबंधी, मित्र-शुभचिंतक एवं नाते-रिश्तेदार भारी संख्या में मौजूद थे।

आधुनिक भारत के संस्थापक', राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर पुतिन ने क्या कहा?

(जीएनएस)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी भारत यात्रा के दौरान शुक्रवार (5 मई 2025) को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धांजलि दी। पुतिन ने श्र्२३ङ्क१ इङ्कङ्क' में लिखा कि गांधी आधुनिक भारत के संस्थापक होने के साथ-साथ एक महान दार्शनिक और मानवतावादी भी थे, जिनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की कल्पना की थी जो अब आकार ले रही है। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और भारत आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर समानता, आपसी सम्मान और सहयोग के उन्हीं सिद्धांतों को सामूहिक रूप से बनाए रखे हुए हैं। पुतिन ने इस यात्रा के दौरान ढट मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

गांधी के विचारों में 'बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था'

पुतिन ने राजघाट की आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि महात्मा गांधी ने कई मायनों में आधुनिक, अधिक न्यायसंगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की परिकल्पना की थी, जो अब बन रही है। उन्होंने लियो टॉल्स्टॉय को लिखे गांधी के पत्रों का उल्लेख किया, जिनमें उन्होंने तानाशाही और आधिपत्य से मुक्त विश्व के भविष्य पर विस्तार से विचार किया था। पुतिन ने इस बात पर जोर दिया कि रूस और भारत आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर समानता, आपसी सम्मान और सहयोग

के उन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों को संयुक्त रूप से बनाए रखे हुए हैं।

ये भी पढ़ें: ढ४३ल्ल क्ल्र्श्२३: जिस तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत पर लगाया था भारी टैरिफ, उस पर क्या बोले पुतिन

राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत

राजघाट जाने से पहले, रूसी राष्ट्रपति पुतिन का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्हें तीनों सेनाओं की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जबकि प्रांगण भारतीय और रूसी राष्ट्रगान की धुन से गूंज उठा। इस समारोह में विदेश मंत्री एस जयशंकर, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस दौरान दोनों राष्ट्रपतियों ने एक-दूसरे को अपने देश के शिष्टमंडल के सदस्यों से परिचित कराया।

प्रोटोकॉल तोड़कर ढट मोदी का स्वागत

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के आगमन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं पालम हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया और गले लगाया। मोदी ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर दोनों नेताओं की दोस्ती को "समय की कसौटी पर खरी उतरी" बताया। पुतिन और मोदी ने प्रधानमंत्री के लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास तक एक ही कार में यात्रा की, जहाँ पुतिन को पवित्र भगवद गीता की एक प्रति उपहार में दी गई।